>

Title: Need to check harassment and the number of false cases filed against those raising public matters in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं पहले एक मिनट बोलकर फिर अपनी बात शुरू करूंगा। कभी-कभी हम लोगों का बहुत महत्वपूर्ण मामला होता है और उसे जब हम यहां उठाते हैं, तो उसे स्टेट मैटर कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। अगर हम अपनी बात यहां नहीं कहेंगे, तो कहां करेंगे?...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Do not go in that. Whatever point you want to raise, raise it briefly. आप संक्षिप्त में बोलिये। आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति महोदय, मैंने कल शून्य पूहर में यह मामला उठाया था। जब सत्र शुरू हुआ था, तब भी मैंने जीरो ऑवर में यह मामला उठाया था। मैं सदन में कई बार यह मामला उठा चुका हूं कि पूरे देश में मिलावट हो रही है। हमारे क्षेत्र में एक ही परिवार के आठ लोग ड्राप्सी से मर गये हैं। अभी परसों 18 साल की एक लड़की पम्मी की मृत्यु हो गयी। उसका घर बिल्कुल जी टी रोड पर है। जब डेड बॉडी जा रही थी, तो उन्हें सड़क पार करनी थी। आपको याद होगा कि जब डेड बॉडी जाती है, तो दो-चार जगह मंजिल रखते हैं। मंजिल रखने में जीटी रोड थोड़ा जाम हो गया। उस परिवार के आठ लोगों की मृत्यु पहले ही हो चुकी है। उस परिवार सहित अन्य तमाम लोग, जो उस शवयात्रा में शामिल थे, उन 72 लोगों के खिलाफ मुकदमा लिख दिया गया।

सभापति महोदय, मैं आपसे संरक्षण चाहूंगा। अगर मैं इस बात को यहां नहीं रखूंगा, तो फिर कहां रखूंगा। इसलिए मैं आपका संरक्षण चाहता हूं कि अगर ऐसे बेगुनाह लोगों, जिनके ऊपर त्रासदी गुजरी है, परिवार के लोग मरे हैं, उनको मुआवजा देने की जरूरत है। उन पर मरहम लगाने की जरूरत है। वहां पर और भी कई लोग बीमार हैं। हो सकता है कि एक-दो लोगों की और मौत हो जाये। मैंने कल मांग की थी कि एक डाक्टर वहां पर जाकर इलाज करे। उनको मुआवजा दिया जाये या उलटा उनके परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया जाये। अगर शवयात्रा लेकर उसे दफनाने जा रहे हैं, तो उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों की गयी? मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं और सरकार से निवेदन करूंगा कि ड्राप्सी से जो मौतें हो रही हैं, उनकी जांच की जाये। उस परिवार को मुआवजा दिया जाये और उनके परिवार पर जो मुकदमे लगे हैं, उन्हें वापस लिया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।